सुसमाचार के प्रसार को देखने के लिए आप क्या कीमत चुकाने को तैयार हैं?

एक बार एक दूर देष में, संसार के सबसे धनी और शक्तिषाली राजा के हृदय में मनुष्यजाति के लिए उसके प्रेम की खुषखबरी फैलाने की इच्छा हुई। उसने अपनी सबसे अनमोल सम्पत्ति, अपने पुत्र को भेजने का फैसला किया। वह जानता था कि यह खतरनाक है, परन्तु सारी मनुष्यजाति तक पहुंचने की उसकी इच्छा उस पर हावी हो रही थी। आपका प्राण बचाने के लिए परमेष्वर को अपने पुत्र का बलिदान देना पड़ा।

कई वर्ष पहले मैं और मेरा बेटा चीन में बाइबलों की तस्करी किया करते थे। अपने अपने मिषन पर अलग अलग जाने से एक रात पहले मैंने एक सपना देखा कि मेरा बेटा अपने काम पर गया, परन्तु वापिस नहीं आया। उस सपने के परिणामस्वरूप, मैंने अपने बेटे से कहा कि मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगा। मेरे बेटे ने मुझसे कहा कि उसने भी एक सपना देखा है। अपने सपने में वह जान गया कि यदि उसने मेरा कहा पूरी तरह माना तो वह सुरक्षित रहेगा। मुझे अपना सपना सुनाने के बाद, मेरे बेटे ने मुझे गले लगाया, और आँसू बहाते हुए हिम्मत परन्तु कोमलता से कहा, "पिता जी, सुसमाचार के प्रसार को देखने के लिए आप क्या कीमत चुकाएंगे?" ऐसा कहकर वह ट्रेन में बैठकर अपनी यात्रा पर चल दिया।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं जानता हूँ कि आप मुझसे प्रेम करते हैं और मेरे जीवन के लिए आपके पास एक योजना है। कृपया मुझे बल दें कि मैं अपने डर से बाहर निकलूँ और आपकी इच्छा पूरी करूँ, कीमत चाहे कुछ भी हो। मैं आपकी सेवा करने के लिए बुलाए जाने को सौभाग्य मानता हूँ। इसलिए मैं अपने आप का इन्कार करूँगा, अपना क्रूस उठाऊँगा और आपका अनुसरण करूँगा।

आज के लिए वचन

मत्ती 13:46 जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उस ने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।।

1 कुरिन्थियों 6:20 क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।।

सुसमाचार प्रचार समय के विरूद्ध एक दौड़ है

प्रतिदिन पापी जन्म ले रहे हैं और हम सबको परमेष्वर की इच्छा और उद्देष्य की पूर्ति करने के लिए केवल एक ही जीवन मिला है। हमें याद रखना है कि पृथ्वी पर अंतिम घर तक सुसमाचार पहुंचाने से पहले बहुत सारे घर तक बाकी हैं। सारे संसार में सुसमाचार प्रचार का कार्य एक ही पीढ़ी में समाप्त होना चाहिए। इसे अगली पीढ़ी तक नहीं ले जाया जा सकता।

परमेष्वर के नाती पोते नहीं हैं। उसके पास केवल संतानें हैं और प्रत्येक को निष्चित दिन दिए गए हैं जिसमें उसे उद्धार पाना है, मसीह में परिपक्व होना है और परमेष्वर के राज्य के लिए आत्माओं के खेतों में उत्पादक मजदूर बनना है। यह आपका दिन है, यह आपका समय है, यह आपका जीवन है। सुसमाचार प्रचार समय के विरूद्ध एक दौड़ है।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना

प्रिय प्रभु, खोए हुओं के लिए मुझे तरस दें और मेरी पीढ़ी के लिए आपकी इच्छा पर ध्यान लगाने में मेरी सहायता करें। मुझे मनुष्यों का मछुआरा बनना सिखाएं और आपके राज्य के लिए आत्माएं जीतने की बुद्धि दें।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 6:2 क्योंकि वह तो कहता है, कि अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, और उद्धार के दिन मैने तेरी सहायता कीः देखो, अभी वह प्रसन्नता का समय है; देखो, अभी वह उद्धार का दिन है।

इफिसियों 5:15–17 इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों की नाईं नहीं पर बुद्धिमानों की नाईं चलो। और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं। इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है?

अपने श्रोताओं की बोली बोलें

प्रेरित पौलुस ने कहा कि वह ऐसे हजारों शब्द, जिन्हें कोई नहीं समझ सकता, बोलने की बजाय केवल पांच शब्द ही बोलना चाहेगा जिसे उसके श्रोता समझ सकें। जब मुझे दूसरों को परमेष्वर के वचन के सिद्धांत सिखाने का अवसर मिलता है तो मैं इन बातों का ध्यान रखता हूँ। परमेष्वर का वचन कभी नहीं बदलेगा, परन्तु हम परमेष्वर का वचन कैसे प्रस्तुत करते हैं, यह हमारा चयन है।

ध्यान दें कि आप किन लोगों से बात कर रहे हैं और निष्चित कर लें कि आप अपने श्रोताओं की बोली बोल रहे हैं। चाहे विभिन्न आयु समूह हों, विभिन्न लिंग समूह हों, विभिन्न सांस्कृतिक समूह हों या विभिन्न विष्वासों के लोग हों, अपने शब्दों का चयन सावधानी से करें और प्रत्येक अवसर का भरपूर उपयोग करें। अपने श्रोताओं की बोली बोलें।

आज के लिए प्रार्थना

प्रिय परमेष्वर, यह ध्यान देते हुए कि मैं किनसे बात कर रहा हूँ और उन्हें कैसे समझा सकता हूँ, प्रत्येक अवसर का भरपूर उपयोग करने में मेरी सहायता करें। मुझे अनुग्रह दें कि मैं दूसरों को आपका वचन इस प्रकार सुनाऊँ कि उनका जीवन बदल जाए। आमीन।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 9:19–23 क्योंकि सब से स्वतंत्र होने पर भी मैं ने अपने आप को सब का दास बना दिया है; कि अधिक लोगों को खींच लाऊं। मैं यहूदियों के लिये यहूदी बना कि यहूदियों को खींच लाऊं, जो लोग व्यवस्था के आधीन हैं उन के लिये मैं व्यवस्था के आधीन न होने पर भी व्यवस्था के आधीन बना, कि उन्हें जो व्यवस्था के आधीन हैं, खींच लाऊं। व्यवस्थाहीनों के लिये मैं (जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं, परन्तु मसीह की व्यवस्था के आधीन हूँ) व्यवस्थाहीन सा बना, कि व्यवस्थाहीनों को खींच लाऊं। मैं निर्बलों के लिये निर्बल सा बना, कि निर्बलों को खींच लाऊं, मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूँ, कि किसी न किसी रीति से

edit copy

कई एक का उद्धार कराऊं। और मैं सब कुछ सुसमाचार के लिये करता हूँ, कि औरों के साथ उसका भागी हो जाऊं।

हर रास्ता कहीं न कहीं ले जाता है

हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं उसे चुनने का एक ही स्पष्ट कारण है... हमारे द्वारा चुना गया रास्ता हमें वहां ले जाएगा जहां हम जाना चाहते हैं। हर रास्ता कहीं न कहीं ले जाता है। मंज़िलें अक्सर अनुमानित होती हैं, विषेषकर तब, जब हमारे पास एक मानचित्र हो या रास्ते के जानकारों ने हमें दिषानिर्देष दिए हों। अपनी यात्रा के दौरान अनुमानित मंज़िल पर पहुंच जाने के बाद हम बहुत कम षिकायत करते हैं। ज़िंदगी के रास्ते भी ऐसे ही हैं। परमेष्वर का वचन हमें मानचित्र प्रदान करता है और उसके सेवक अक्सर हमें दिषानिर्देष देते हैं कि जिस रास्ते को हमने चुना है उस पर हमें क्या क्या देखना पड़ेगा।

आप कहां जा रहे हैं? क्या आप ऐसे रास्ते पर चल रहे हैं जो आपको सफल संबंध, मजबूत वैवाहिक जीवन और परिवार, तथा एक उत्तम भविष्य देगा। यदि नहीं, तो केवल एक ही विकल्प बचता है, मन फिराओ...

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरे जीवन के लिए सुनिष्चित मंज़िल तैयार करने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे आपकी ओर से मिलने वाले दिषानिर्देषों और मानचित्रों का पालन करना सिखाएं। मुझे प्रत्येक चयन और उसकी मंज़िल पर विचार करने में सहायता करें। साथ ही, दूसरों का ईष्वरीय मार्गदर्षन करने में भी मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 16:17 बुराई से हटना सीधे लोगों के लिये राजमार्ग है, जो अपने चालचलन की चौकसी करता, वह अपने प्राण की भी रक्षा करता है।

नीतिवचन 22:3 चतुर मनुष्य विपत्ति को आते देखकर छिप जाता है; परन्तु भोले लोग आगे बढ़कर दंड भोगते हैं।

यषायाह 55:9 क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है।।

यह मायने नहीं रखता कि आप किन परिस्थितियों से गुज़र रहे हैं, बल्कि यह कि आप क्या बनने वाले हैं

हर रास्ता कहीं न कहीं जाता है। हम जहां हैं, वहां से लेकर हम जहां जाना चाहते हैं, वहां तक, हमें सुख का आनन्द उठाने के लिए अक्सर दुखभरी परिस्थितियों में से गुज़रना पड़ता है। इन क्षणों में, हमें अपने आप को बार बार यह याद दिलाना पड़ता है कि यह मायने नहीं रखता कि हम किन परिस्थितियों से गुज़र रहे हैं, बल्कि यह कि हम क्या बनने वाले हैं।

edit copy

उदाहरण के लिए, हो सकता है कि कोई व्यक्ति बहुत पढ़ाई लिखाई करना चाहे ताकि अंत में डॉक्टर बन सके। यदि यह उनकी मंज़िल है तो उन्हें इस रास्ते पर चलने का चयन भी करना पड़ेगा। डॉक्टर बनने के रास्ते पर उन्हें कड़े प्रषिक्षण, कई वर्षों की षिक्षा और निसंदेह थकान और परेषानियों से भरे पलों को सामना भी करना पड़ेगा। तथापि, यदि कोई व्यक्ति सुख का आनन्द उठाने के लिए दुखभरी परिस्थितियों का सामना करने को तैयार नहीं है तो वे वास्तव में अपने जीवन का आनन्द कभी नहीं उठा पाएंगे।

आज के लिए प्रार्थना

हे स्वर्गिक पिता, मेरी समझ की आंखों को खोल दें ताकि मैं आपमें अपनी बुलाहट की आषा को जान सकूं। मैं इस बात पर ध्यान नहीं लगाऊँगा कि मैं अभी कहां हूँ, बल्कि इस बात पर कि मैं क्या बनने वाला हूँ। कृपया मुझे आप पर भरोसा और आषा रखने में सहायता करें ताकि मैं इसी समय सम्पूर्ण आनन्द और शांति का अनुभव कर सकूं। आपका धन्यवाद!

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 4:17–18 क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्त्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

नीतिवचन 29:18 जहां दर्शन की बात नहीं होती, वहां लोग निरंकुश हो जाते हैं, और जो व्यवस्था को मानता है वह धन्य होता है।

आप उनकी अगुवाई कभी नहीं कर पाएंगे जिन्हें आप खोने को तैयार नहीं हैं

परमेष्वर के राज्य का संचालन हमारी सेना से मिलता जुलता है। इनमें अधिकारी और अधीनस्थ लोग, नियम, कानून और कर्त्तव्यपरायणता की सजग भावना होती है। सेना का बुनियादी सिद्धांत यह है कि जब भी आवष्यकता पड़े तो प्रत्येक व्यक्ति को उपस्थित होना पड़ेगा और सौंपा गया कार्य पूरा करना पड़ेगा। कभी कभी उन्हें अधिकारी बनाया जाता है और कभी कभी उन्हें किसी दूसरे अधिकारी की आधीनता में रहना पड़ता है – दोनों परिस्थितियां जायज़ हैं और प्रत्येक काम को पूरा करने के लिए आवष्यक भी हैं।

असुरक्षित अगुवे, जो इस डर के कारण सीधे आदेष नहीं देते कि उनके अनुयायी उन आदेषों को मानने से इन्कार कर देंगे, वास्तव में अगुवाई कर ही नहीं रहे हैं। ये अगुवे लोकप्रिय विचारों या शायद ऊँची आवाज़ों का पालन कर रहे हैं, जिनके कारण प्रत्येक व्यक्ति केवल वही करता है जो उसकी दृष्टि में सही है। परमेष्वर के राज्य में ऐसा नहीं होता। जब आप अगुवाई करने के लिए बुलाए जाते हैं तो अनुग्रहकारी बनें, दयालू बनें और परामर्ष लें... परन्तु अपनी स्वयं की कायलता के द्वारा अगुवाई करें, यह याद रखते हुए कि आप उनकी अगुवाई कभी नहीं कर पाएंगे जिन्हें आप खोने को तैयार नहीं हैं।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे पिता, मुझे यीषु जैसा अगुवा बनने में सहायता करें; ताकि आपने मुझे जो कुछ भी करने के लिए बुलाया है उसे मैं पूरे आत्मविष्वास के साथ पूरा कर सकूं। मैं किसी को खोने के डर से कभी नहीं डगमगाऊंगा। मुझे अपनी दिषा स्पष्ट करने के लिए आपके बल और बुद्धि की आवष्यकता है।

आज के लिए वचन

प्रेरित 15:37–41 तब बरनबास ने यूहन्ना को जो मरकुस कहलाता है, साथ लेने का विचार किया। परन्तु पौलुस ने उसे जो पंफूलिया में उन से अलग हो गया था, और काम पर उन के साथ न गया, साथ ले जाना अच्छा न समझा। सो ऐसा टंटा हुआ, कि वे एक दूसरे से अलग हो गए : और बरनबास, मरकुस को लेकर जहाज पर कुप्रुस को चला गया। परन्तु पौलुस ने सीलास को चुन लिया, और भाइयों से परमेश्वर के अनुग्रह पर सौंपा जाकर वहां से चला गया। और कलीसियाओं को स्थिर करता हुआ, सूरिया और किलिकिया से होते हुआ निकला।।

यदि किसी काम का प्रारम्भ ही गलत हो तो उसे केवल समय के अन्तराल में सुधारा नहीं जा सकता

यदि कोई मिस्त्री घर बना रहा है और उसकी नींव कमज़ोर है, तो अंत में सारा घर धराशाही हो जाएगा। यदि किसी राजनैतिक पार्टी के नेता भ्रष्ट हैं तो समय के अन्तराल में उनकी दषा बद से बद्तर हो जाती है। बुरी बातों को उनके हाल पर छोड़ देने से वे सुधरती नहीं, बल्कि और बद्तर हो जाती हैं।

कुछ नईं कलीसियाओं का प्रारम्भ उन लोगों के द्वारा होता है जो अपनी पिछली कलीसिया में बंटवारे की वजह रहे हैं। यदि इन कामों का प्रारम्भ विद्रोह के बीज से हुआ है, तो ऐसी कलीसिया भविष्य में चाहे कहीं भी जाए, इसमें समस्याएं निरंतर बनी रहेंगी और बंटवारे की जड़ के कारण इसमें विभाजन होते रहेंगे। एकमात्र आषापूर्ण इलाज यही है कि परमेष्वर से क्षमा मांगी जाए, जो तेंदुए के धब्बों को भी बदल सकता है और पुराने में से नए का निर्माण कर सकता है। हमारे दैनिक जीवन के सिद्धांत भी ऐसे ही हैंः यदि किसी काम का प्रारम्भ ही गलत हो तो उसे केवल समय के अन्तराल में सुधारा नहीं जा सकता।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझे वे काम दर्षाएं जिनका मैंने प्रारम्भ ही गलत किया है। मैं मन फिराना चाहता हूँ और अपने प्रत्येक काम की जड़ में आपको रखना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि आप मुझे फिर से प्रारम्भ करने में सहायता करेंगे। जहां मैंने आपको असफल बनाया है वहां मुझे क्षमा कर दें और मुझमें एक नया और जीवित मार्ग तैयार करें।

आज के लिए वचन

मत्ती 3:10 और अब कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिये जो जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है।

मत्ती 6:22—23 शरीर का दिया आंख हैः इसलिये यदि तेरी आंख निर्मल हो, तो तेरा सारा शरीर भी उजियाला होगा। परन्तु यदि तेरी आंख बुरी हो, तो तेरा सारा शरीर भी अन्धियारा होगा; इस कारण वह उजियाला जो तुझ में है यदि अन्धकार हो तो वह अन्धकार कैसा बड़ा होगा।

नदी अपने स्त्रोत के स्तर से ऊपर कभी नहीं उठ सकती

पानी नीचे की ओर बहता है। यह सिद्धांत परमेष्वर के ऐसे नियम को दर्षाता है जो केवल स्वाभाविक संसार में ही नहीं बल्कि आत्मिक संसार में भी लागू होता है। हम सब अपने जीवन, ताकत और सफलता के स्त्रोत का चयन स्वयं करते हैं। कुछ लोग धन को चुनते हैं और कुछ लोग अगुवों को। ये दोनों चयन लाभदायक हो सकते हैं और हमारी सफलता में अक्सर आवष्यक योगदान देते हैं। तथापि, ये दोनों ही स्त्रोत बनने के लायक नहीं हैं।

नदी अपने स्त्रोत के स्तर से ऊपर कभी नहीं उठ सकती और न ही कोई व्यक्ति अपने स्त्रोत से ऊपर उठ सकता है। आप सदा के लिए अपने स्त्रोत की सीमाओं में सीमित हो जाएंगे। धन, ताकत या पदवी जो आपके लिए कर सकते हैं उनकी सीमाओं में सीमित जीवन क्यों जीएं। परमेष्वर को अपने स्त्रोत के रूप में चुन कर अपनी सारी सीमाएं समाप्त कर दें और परमेष्वर की इच्छा के अनुसार दूसरों को इसमें योगदान देने दें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मेरा स्त्रोत मेरे भीतर है और जिसे में कभी सूखने नहीं दूंगा। आपके पवित्र आत्मा के लिए आपका धन्यवाद जो प्रतिदिन मुझ में बढ़ रहा है। मुझे दिखाएं कि मुझे क्या क्या परिवर्तन करने की आवष्यकता है ताकि मैं अपने स्त्रोत में रूकावट पैदा न करूं। अपनी नदी को मेरे भीतर और मेरे द्वारा बहने दें।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 7:38 जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेगी।

1 तीमुथियुस 6:17 इस संसार के धनवानों को आज्ञा दे, कि वे अभिमानी न हों और चंचल धन पर आशा न रखें, परन्तु परमेश्वर पर जो हमारे सुख के लिये सब कुछ बहुतायत से देता है।

खड़े हो कि दिखाई दो, बोलो कि सुनाई दो, परन्तु बैठ जाओ कि सराहना पाओ

यह सुझाव एक छोटी लड़की को उसके दादा ने इस आषा के साथ दिया था कि यह उसे परमेष्वर को प्रसन्न करने वाला और लोगों की तरफदारी प्राप्त करने वाला जीवन जीने के लिए तैयार करेगा। परमेष्वर के वचन में मिलने वाले सिद्धांत साधारण परन्तु गहन हैं। हमें अपना स्थान दृढ़ता से लेना है ताकि अन्य लोग हमारे जीवन के जुनून और कायलता को स्पष्टता से देख सकें। हमें इस प्रकार बोलना है कि हम सुने जाएं, विषेषकर उन लोगों के लिए जिन्हें दृढ़ दिषानिर्देष की आवष्यकता है। हमारी आवाज़ अंधेरे में भटक रहे लोगों के लिए प्रकाषगृह और निराष लोगों के लिए प्रोत्साहन का स्त्रोत बन सकती है।

edit copy

हमें खड़े होना है कि हम दिखाई दें, बोलना है कि सुनाई दें, परन्तु बैठ जाना है कि सराहना पाएं। स्वर्ग और पृथ्वी, दोनों ही घमण्डियों और अभिमानियों का सामना करते हैं। इसलिए हमें अपने आपको परमेष्वर के सामर्थी हाथ के नीचे दीन करना है ताकि हम केवल परमेष्वर के द्वारा ही उसके उचित समय में उठाए जाएं।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, जब आप मुझे दिषानिर्देष देते हैं तो मुझे खड़े होने का साहस दें। मुझे शब्द दें कि मैं भिन्नता ला सकूं, और दीनता सहित बुद्धि दें कि सही समय पर मैं चुप रह सकूं। आपने जिन जिन परिस्थितियों में मुझे रखा है उनमें मैं संवेदनषील होना चाहता हूँ ताकि मैं दूसरों को आषीष देने वाला आपका पात्र बन सकूं।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 17:27 जो संभलकर बोलता है, वही ज्ञानी ठहरता है; और जिसकी आत्मा शान्त रहती है, सोई समझवाला पुरूष ठहरता है।

आप ऐसी कहानी लिख रहे हैं कि एक दिन आपकी यह कहानी लोग एक दूसरे को सुनाया करेंगे

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन एक कहानी बन जाता है। प्रेरित पतरस के समान, दूसरों को आपके बारे में जो कुछ याद रहेगा, उसके द्वारा लोग आपको हमेषा याद रखेंगे। बुरे फैसले, गलत फैसले, और यहां तक कि मंहगी गल्तियों को भी ज़िंदगी की एक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए और हमें अपनी गल्तियों को सुधारने और भविष्य के लिए एक नया अध्याय लिखने से नहीं रूकना चाहिए। पतरस की जीवनगाथा यीषु का इन्कार करने पर ही नहीं रूक गई और न ही राजा दाऊद की जीवनगाथा उस समय समाप्त हो गई जब उसने अपने मित्र की हत्या करवाने का आदेष दिया था।

बाइबल के अन्य लोगों और अतीत के नायकों के समान आपका जीवन भी आपके आखरी सबसे बुरे फैसले के साथ ही समाप्त नहीं हो जाना चाहिए। आज ही अपना भविष्य परमेष्वर का सौंप दें। अतीत को अतीत ही रहने दें और अपने जीवन का एक नया अध्याय लिखना आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरे भविष्य के लिए एक दर्षन और लक्ष्य देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं चाहता हूँ कि मेरा जीवन एक ऐसी पटकथा बन जाए जिसे केवल आप ही लिख सकते हों। मुझे आपकी इच्छा का प्रतिबिम्ब बनने का अनुग्रह दें और मुझे मेरे सर्वोत्तम समय में ले चलें।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 22:1 बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है, और सोने चान्दी से औरों की प्रसन्नता उत्तम है।

सभोपदेषक 7:1 अच्छा नाम अनमोल इत्र से और मृत्यु का दिन जन्म के दिन से उत्तम है।

edit copy

नीतिवचन 13:22 भला मनुष्य अपने नाती–पोतों के लिये भाग छोड़ जाता है, परन्तु पापी की सम्पत्ति धर्मी के लिये रखी जाती है।

यह एक कड़वा सच है कि कभी कभी किसी समस्या से पीछा छुड़ाने के लिए किसी व्यक्ति से पीछा छुड़ाना पड़ता है

क्या आप फुटबॉल की किसी टीम में शामिल हुए हैं और उसमें एक ऐसा खिलाड़ी था जो बार बार गल्तियां किए जा रहा था, और यदि वह उसे न सुधारता तो आप सारी चैंपियनषिप ही हार जाते? तब उसके स्थान पर दूसरा खिलाड़ी आता है और अब सब कुछ सही हो जाता है। क्या आपके ऑफिस में ऐसा कोई व्यक्ति है जो निरंतर समस्या पैदा कर रहा है? क्या आपके जीवन में ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे आपसे बात करना भी पसंद नहीं है? कहीं आप तो ऐसे व्यक्ति नहीं हैं?

योना 1:12 "उस ने उन से कहा, मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो; तब समुद्र शान्त पड़ जाएगा; क्योंकि मैं जानता हूं, कि यह भारी आंधी तुम्हारे ऊपर मेरे ही कारण आई है।" कम से कम योना ने इस बात को जान लिया कि समस्या की जड़ वही था। आज ही परिवर्तन करें। अपने पुराने स्वभाव को समुद्र में फेंक दें और नए सिरे से आरम्भ करें। यह एक बिल्कुल नया दिन है और इसमें असीमित अवसर हैं। यह एक कड़वा सच है कि कभी कभी किसी समस्या से पीछा छुड़ाने के लिए किसी व्यक्ति से पीछा छुड़ाना पड़ता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं समस्या नहीं बल्कि समाधान बनूं। मेरी सहायता करें कि प्रष्न नहीं बल्कि उत्तर बनूं। मैं एक महान योजना का हिस्सा हूँ, मुझे आपके उद्देष्य के लिए, आपके साथ मेरे संबंध में, मेरे परिवार में और मेरे काम में उत्तम बनाएं।

आज के लिए वचन

1 शमूएल 12:14 यदि तुम यहोवा का भय मानते, उसकी उपासना करते, और उसकी बात सुनते रहो, और यहोवा की आज्ञा को टालकर उस से बलवा न करो, और तुम और वह जो तुम पर राजा हुआ है दोनो अपने परमेश्वर यहोवा के पीछे पीछे चलनेवाले बने रहो, तब तो भला होगा।

रोमियों 8:3 क्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उस को परमेश्वर ने किया, अर्थात् अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में, और पाप के बलिदान होने के लिये भेजकर, शरीर में पाप पर दंड की आज्ञा दी।

दीनता और अनुग्रह के बिना बुद्धि की बातें सिखाने से रोष उत्पन्न होता है... चाहे आप सही भी क्यों न हों

जो लोग ज्यादातर सही होते हैं उन्हें हमेषा सम्मान नहीं मिलता, सराहना नहीं मिलती और न ही उन्हें पसंद किया जाता है। ऐसा अक्सर दीनता और अपनी बात कहने के तरीके में अनुग्रह की कमी के कारण होता है। हम अक्सर ऐसे लोगों का विरोध करते हैं जो घमण्डी या नीच

edit copy

होते हैं, और ऐसे लोग जो दूसरों को केवल इसलिए नीची नज़र से देखते हैं क्योंकि उन्हें सही उत्तर नहीं मालूम।

जब हम दूसरों को मसीह के पास लाते हैं और जीवन में आगे बढ़ाते हैं तो यह महत्त्वपूर्ण है कि हम घमण्डी न हों और न ही अपने आप को उनसे बेहतर समझें। परमेष्वर हमें अपनी बुद्धि की बातें इसलिए सिखाता है ताकि हम इन्हें दीनता और अनुग्रह के साथ बिना किसी को ठोकर खिलाए दूसरों को सिखाएं। साहसी और आत्मविष्वासी बनें परन्तु कठोर न बनें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, आज मैं आपसे साहस और आत्मविष्वास सहित दीनता की मांग करता हूँ। मेरी सहायता करें कि मैं दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार करूं जैसा मैं अपने साथ चाहता हूँ। जब मैं दूसरों को आपके मार्ग सिखाता हूँ तो मेरी ज़ुबान पर कोमलता बनी रहे और दूसरों के माध्यम से आपका परामर्ष सुनने के लिए मेरे कान खुले रहें।

आज के लिए वचन

याकूब 3:2 इसलिये कि हम सब बहुत बार चूक जाते हैं: जो कोई वचन में नहीं चूकता, वही तो सिद्ध मनुष्य है; और सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।

1 पतरस 5:5 हे नवयुवकों, तुम भी प्राचीनों के आधीन रहो, बरन तुम सब के सब एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बान्धे रहो, क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का साम्हना करता है, परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है।

इब्रानी 10:35 सो अपना हियाव न छोड़ो क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है।

किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन के सार्वजनिक क्षेत्रों में ऊँचा उठाने से पहले उसे उसके जीवन के निजी क्षेत्रों में जांचा जाना चाहिए

बाइबल कहती है कि जब हम थोड़े में विष्वासयोग्य रहते हैं तो परमेष्वर हमें बहुत देगा। तथापि, कभी कभी ऐसा लगता है कि हम प्रगति नहीं कर रहे हैं। यूसुफ इस सिद्धांत को समझ गया और विष्वासयोग्य बना रहा, उस समय भी जब उसे लगा कि परमेष्वर ने उसे अकेला छोड़ दिया है। अपनी यात्रा में उसे महल तक पहुंचने से पहले गड्ढे और बन्दीगृह में से गुजरना पड़ा। यूसुफ के जीवन में उसे सार्वजनिक क्षेत्रों में ऊँचा उठाए जाने से पहले गड्ढे और बन्दीगृह में उसके जीवन के निजी क्षेत्रों में परखा गया।

याद रखें कि कभी कभी हमें ऊपर जाने के लिए कुछ त्यागना पड़ता है और अक्सर जो बातें हमें त्यागनी पड़ती हैं वे हमारा व्यवहार और जीवन की कुछ ऐसी बातें होती हैं जो हमें परमेष्वर के सर्वोत्तम से दूर रखती हैं। उन चुनौतियों के बारे में कभी षिकायत न करें जो आपको परमेष्वर के समीप ले आती हैं।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे पिता, कृपया मुझे थोड़े में विष्वासयोग्य बने रहने में सहययता करें। मुझे याद दिलाते रहें कि मुझे अपनी बाइबल पढ़नी है, निरंतर प्रार्थना करनी है, प्रतिदिन आपकी आराधना करनी है और अपनी गवाही बांटनी है। अपने जीवन की परिस्थितियों की परवाह किए बिना मैं एक समान बना रहूंगा। मुझमें से वे बातें निकाल दें जो मेरी दौड़ में रूकावट बन रही हैं।

आज के लिए वचन
मत्ती 25:21 उसके स्वामी ने उससे कहा, धन्य है अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो।

रोमियों 12:2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।।

परमेष्वर आपके अतीत को पकड़े नहीं रखता

क्या आप जानते हैं कि परमेष्वर आपके अतीत को याद नहीं रखता? केवल आपके पाप और कमज़ोरियां ही नहीं बल्कि वह आपके अतीत की अयोग्यताओं को भी याद नहीं रखता... अर्थात् आपके जीवन के ऐसे स्थान जिन्होंने आपके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई, ऐसे सम्मान जो आपको मिल नहीं पाए, ऐसी पद्दौन्नति जिससे आप चूक गए, और ऐसे समय जब आप जीवन की परीक्षाओं में असफल हो गए।

परमेष्वर आपके अतीत से बढ़कर आपके भविष्य में रूचि लेता है। इसके पीछे भी एक कारण है कि कार का सामने का शीषा पीछे देखने वाले शीषे से बड़ा क्यों होता है। परमेष्वर के साथ अपने भविष्य पर ध्यान दें और अपने अतीत को पीछे छोड़ दें। आपके जीवन के लिए परमेष्वर की योजना आना अभी बाकी है और परमेष्वर आपके अतीत को पकड़े नहीं रखता।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरे अतीत के लिए आपका धन्यवाद। मुझे मेरे सारे अनुभवों से सीखने में मेरी सहायता करें। मैं आपके साथ अपने भविष्य पर आधारित होकर अपनी गल्तियों का मूल्यांकन करूंगा। मैं जानता हूँ कि आपके पास मेरे जीवन के लिए योजनाएं, भविष्य और आषा के लिए योजनाएं... एक बेहतर कल के लिए आषा है। मैं अपने महान भविष्य के लिए पहले से ही आपका धन्यवाद करता हूँ!

आज के लिए वचन
मीका 7:19 वह फिर हम पर दया करेगा, और हमारे अधर्म के कामों को लताड़ डालेगा। तू उनके सब पापों को गहिरे समुद्र में डाल देगा।

यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

editcopy

भजन 103:12 उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है, उस ने हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है।

इब्रानी 8:12 क्योंकि मैं उन के अधर्म के विषय मे दयावन्त हूंगा, और उन के पापों को फिर स्मरण न करूंगा।

आप जो कुछ चाहते हैं उसके लिए आपको अपना सबकुछ देना पड़ सकता है

बाइबल एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बताती है जिसे खेत में छिपी हुई एक उत्पादक खान मिली। वह इतना उत्साहित हो गया कि उसने इस खेत को खरीदने के लिए अपना सबकुछ बेच दिया। वह खजाना उसके लिए बहुत कीमती था। यीषु ने कहा कि मसीही होना हमारे लिए उतना ही मूल्यवान होना चाहिए (मत्ती 13:44)। परन्तु क्यों? आइए इसका उत्तर एक और प्रष्न के द्वारा ढूँढें...

क्या आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोच सकते हैं जिसके लिए इस सृष्टि के सृष्टिकर्त्ता ने, जोकि जो कुछ भी चाहे प्राप्त कर सकता है, इस आषा से सबसे बड़ी कीमत चुकाई कि उस व्यक्ति के साथ उसका संबंध बन जाए? वह व्यक्ति तो एक विषेष खजाने के समान प्रतीत होगा... और आप हैं भी। यीषु की उस कहानी के समान, परमेष्वर ने अपना सर्वोत्तम दे दिया – उसने अपना सबकुछ दे दिया – केवल इस इसलिए कि आपके साथ संबंध की "खान" प्राप्त कर सके। क्योंकि परमेष्वर आपसे इतना प्रेम करता है इसलिए आपको भी उसे उतना ही प्रेम करना चाहिए और उसे खजाने के समान रखना चाहिए। परमेष्वर के साथ संबंध बनाने के लिए आप क्या कीमत चुकाएंगे?

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे पिता, मुझे इतना प्रेम करने के लिए आपका धन्यवाद। आपने मेरे लिए जो कुछ भी किया है उसके लिए आपको धन्यवाद कहने के लिए मैं क्या कर सकता हूँ? कृपया अपना प्रेम मुझ पर प्रकट करें और मुझे दिखाएं कि आपकी दृष्टि में मेरा मूल्य क्या है।

<u>आज के लिए वचन</u>

लूका 12:34 क्योंकि जहां तुम्हारा धन है, वहां तुम्हारा मन भी लगा रहेगा।।

1 यूहन्ना 4:19 हम इसलिये प्रेम करते हैं, कि पहिले उस ने हम से प्रेम किया।

क्या आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोच सकते हैं जिसके लिए इस सृष्टि के सृष्टिकर्त्ता ने, जोकि जो कुछ भी चाहे प्राप्त कर सकता है, इस आषा से सबसे बड़ी कीमत चुकाई कि उस व्यक्ति के साथ उसका संबंध बन जाए?

किसी वस्तु का मूल्य तब निर्धारित होता है जब कोई व्यक्ति उस वस्तु के लिए एक कीमत चुकाने को तैयार होता है। परमेष्वर ने मानवजाति से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र कलवरी के क्रूस पर बलिदान कर दिया ताकि आपके साथ उसका संबंध आरम्भ हो जाए। वह प्रत्येक व्यक्ति को अपनी संतान बनाना चाहता था, इसलिए उसने इस अवसर का खरीद लिया।

edit copy

जब हम गलियों में, बाज़ारों में या अपने समाज में लोगों के पास से गुजरते हैं, तो हमें प्रत्येक व्यक्ति को इस नज़र से देखना चाहिए कि वह हमारे पिता की दृष्टि में परमेष्वर पुत्र के समान है और हमें एक दूसरे के साथ ऐसा व्यवहार करना चाहिए जैसा परमेष्वर ने हमारे साथ किया। मसीह के कारण हमें प्रत्येक व्यक्ति के साथ जाति, लिंग, राष्ट्रीयता या आर्थिक स्तर की परवाह न करते हुए बिल्कुल ऐसा व्यवहार करना है जैसा परमेष्वर ने हमारे साथ किया।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मुझे आपकी सहायता की आवष्यकता है कि मैं मानवजाति को इस नज़र से देखूं, जिन्हें प्राप्त करने के लिए आपने अपने पुत्र को बलिदान किया है। मेरी सहायता करें कि मैं उन्हें ऐसे स्वीकार करूं जैसे आप उन्हें करते हैं और मसीह में उन्हें अपने भाई या बहन के रूप में अपने आत्मिक परिवार का अंग बनाने को तैयार हो जाऊँ। जब जब मैंने लोगों को नीची नज़र से देखा है, उसके लिए मुझे क्षमा कर दें और मेरे मार्गों को शुद्ध करें। आमीन।

आज के लिए वचन

इफिसियों 4:32 और एक दूसरे पर कृपाल, और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।।

यूहन्ना 13:34 मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं, कि एक दूसरे से प्रेम रखोः जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दुसरे से प्रेम रखो।

1 यूहन्ना 4:7—8 हे प्रियों, हम आपस में प्रेम रखें; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से हैः और जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है; और परमेश्वर को जानता है। जो प्रेम नहीं रखता, वह परमेश्वर को नहीं जानता है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

प्रेरित 10:34—35 तब पतरस ने मुंह खोलकर कहा; अब मुझे निश्चय हुआ, कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता,

केवल इस डर से किसी बड़े मुद्दे पर परामर्ष न लेना, कि ईष्वरीय परामर्ष इसके विरूद्ध हो सकता, मूर्खता है और छल का साथी बनना है

"सत्याभासी अस्वीकृति" एक ऐसी परिस्थिति का वर्णन करती है जिसमें कोई व्यक्ति जानबूझकर कुछ बातों से अनजान बना रहना चाहता है क्योंकि उन्हें "न जानने" से उसे लाभ पहुंचता है। कानूनी क्षेत्र में, वकील इस युक्ति का उपयोग आचार—सहिंता के उल्लंघन के मामलों को पकड़ने के लिए करते हैं। राजनीति में नेता इसका उपयोग उन कामों से बचने के लिए करते हैं जिन्हें वे छिपाकर चला रहे हैं, और आपके घर में बच्चे स्वयं पैदा की हुई मुसीबत में से बच निकलने के लिए इसका उपयोग करते हैं — "मैं तो *जानता* ही नहीं था!"

कहने का तात्पर्य यह है कि हम जब भी कोई गलत काम करने के बारे में सोच रहे हैं या योजना बना रहे हैं तो उसे करने से पहले ही हम जानते हैं कि वह काम गलत है। परमेष्वर का वचन कहता है कि पवित्र आत्मा पाप को उजागर करता है और परमेष्वर की संतानों को सत्य का मार्ग बताता है (यूहन्ना 16:8, 13)। केवल इस डर से किसी बड़े मुद्दे पर परामर्ष न

लेना, कि ईष्वरीय परामर्ष इसके विरूद्ध हो सकता, मूर्खता है और छल का साथी बनना है। यह ऐसा कहने के समान है, "मैं जानता हूँ कि यह गलत है, परन्तु फिर भी मैं इसे करूँगा" और यह बहुत खतरनाक है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं आपको प्रसन्न करना चाहता हूँ। कभी कभी आपकी इच्छा के अनुसार अपनी योजनाओं को ढालना बहुत कठिन हो जाता है। कृपया मुझसे स्पष्ट बात करें और मेरा हृदय बदलें ताकि मेरी इच्छा आपकी इच्छा के समान बन जाए। कृपया अपना चरित्र मुझमें बनाते रहें, और मुझे दिखाएं कि मैं आपके साथ सहभागिता में कैसे चलूं और मुझे अच्छे और ईष्वरीय परामर्षदाता दें।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 18:1 जो औरों से अलग हो जाता है, वह अपनी ही इच्छा पूरी करने के लिये ऐसा करता है,

यूहन्ना 3:20–21 क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए। परन्तु जो सच्चाई पर चलता है वह ज्योति के निकट आता है, ताकि उसके काम प्रगट हों, कि वह परमेश्वर की ओर से किए गए हैं।

कभी कभी परमेष्वर मांग करता है कि हम असम्भव कार्य करने का प्रयास करें

परमेष्वर के वचन में ऐसे लोगों की भरमार है जिन्हें असम्भव कार्य करने की चुनौती मिली। ऐसा ही एक व्यक्ति नामान कोढ़ी था। उसे एलीषा नबी ने चुनौती दी कि कोढ़ से छुटकारा पाने के लिए वह यरदन नदी में सात बार डुबकी लगाए और परमेष्ववर उसे चंगा कर देगा। नामान के पास बहुत प्रष्न थे क्योंकि यह उपाय केवल अनुचित ही नहीं बल्कि असम्भव भी प्रतीत हो रहा था। तथापि, नामान के मित्रों ने उसे यह असम्भव कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया, केवल इसलिए कि परमेष्वर के नबी ने ऐसा करने के लिए कहा था। नामान के आज्ञापालन के परिणामस्वरूप, वह पूर्णतः चंगा हो गया।

हमें भी हमेषा असम्भव कार्य करने के द्वारा चुनौतियों का जवाब देना है, केवल इसलिए कि हमने परमेष्वर से वचन प्राप्त किया है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर पिता, मुझसे बात करें और मेरे जीवन की यात्रा में मेरी अगुवाई करें। मुझे आपकी आवाज़ पहचानने का अनुग्रह और आपके बल पर असम्भव कार्य करने का प्रोत्साहन दें। साथ ही, हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं दूसरों को भी आप पर पहले से अधिक भरोसा रखने और अपनी क्षमता से परे आप पर विष्वास करने के लिए प्रोत्साहित कर सकूं।

आज के लिए वचन

edit copy

2 राजा 5:13–14 तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान करके शुद्द हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये। तब उस ने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जाकर उस में सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया।

मत्ती 19:26 यीशु ने उन की ओर देखकर कहा, मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

मरकुस 9:23 यीशु ने उस से कहा; यदि तू कर सकता है; यह क्या बात है? विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो सकता है।

जब परमेष्वर ने कहा, "जाओ और चेले बनाओ" तो शायद आपकी सुरक्षा और देखभाल परमेष्वर की प्राथमिकता न रही हो

आज संसार भर में मसीही "अमेरिकन ड्रीम थियोलॉजी" से प्रभावित हो रहे हैं। "अमेरिकन ड्रीम थियोलॉजी" वचन की व्याख्या इस प्रकार करती है कि मसीह ने अपने विष्वासियों को कुछ अहस्तांतरणीय अधिकार दिए हैं, इनमें से कुछ जीवन, आज़ादी और खुषी का पीछा करना हैं। तथापि, पवित्रषास्त्र "किंगडम थियोलॉजी" के बारे में बताता है, जिसका अर्थ अपने आप का इन्कार करना, अपना क्रूस उठाना और यीषु का अनुसरण करना है।

हालाँकि परमेष्वर निष्चय ही आपके स्वास्थय और भलाई में रूचि लेता है, परन्तु हो सकता है कि खोए हुओं, मर रहे और नरक में जा रहे लोगों के बारे में सोचते हुए यह सब परमेष्वर की प्राथमिकता न रही हो। इसीलिए हमें अपने जीवन के बारे में परमेष्वर की इच्छा को निर्धारित करना है, इससे भी बढ़कर कि यह हमें और हमारी सफलता के सपनों को कैसे प्रभावित करेगी।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, यह मेरा नहीं आपका संसार है। कभी कभी मैं भूल जाता हूँ कि यह जीवन मुझे केवल अपने लिए ही नहीं जीना है। कृपया मेरा ह्रदय बदल दें ताकि मैं वही चाहूँ जो आप चाहते हैं, ताकि मैं भी तरस से भर जाऊँ जैसे आप तरस से भरे हैं। मैं जानता हूँ अन्य स्थानों पर भी "भूखे लोग" हैं। मुझे दिखाएं कि मैं उनके साथ सबकुछ कैसे बांट सकता हूँ।

आज के लिए वचन

मत्ती 16:24 तब यीशु ने अपने चेलों से कहा; यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले।

भजन 46:10 चुप हो जाओ, और जान लो, कि मैं ही परमेश्वर हूं। मैं जातियों में महान् हूं, मैं पृथ्वी भर में महान् हूं!

मत्ती 6:10 तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो।

edit copy

परमेष्वर का वचन हमें बताता है कि परमेष्वर ने क्या क्या किया है और क्या क्या करने वाला है

यदि हम केवल बाइबल ही पढ़ें तो हम पाएंगे कि परमेष्वर ने क्या क्या किया है। यदि बाइबल को इतिहास की नज़र से पढ़ा जाए तो यह बताती है अतीत में परमेष्वर कहां पर रहा है, अतीत में उसने क्या किया है और ऐसा उसने कैसे किया है। तथापि, बाइबल इतिहास से कहीं बढ़कर है... यह एक जीवित विधान है, केवल इस बात का ही नहीं कि परमेष्वर ने क्या क्या किया है बल्कि इस बात का भी कि वह क्या क्या करेगा। परमेष्वर कल, आज और युगानुयुग एक सा है। यह जानने के लिए परमेष्वर का वचन पढ़ना आरम्भ करें कि परमेष्वर ने क्या क्या किया और क्या क्या करना चाहता है। परमेष्वर क्या करना चाहता है? वही जो वह कर चुका है।

परमेष्वर चाहता है कि लोग सुसमाचार सुनें, टूटे मन वाले चंगाई पाएं, बन्दी आज़ाद हों, अन्धों को दृष्टि मिले, अत्याचार सह रहे लोग आज़ाद हों और प्रभु के महान दिन का प्रचार हो, और वह यह सबकुछ आपके द्वारा करना चाहता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं आपको जानना चाहता हूँ। मैं वहां होना चाहता हूँ जहां आप हैं और उस काम में शामिल होना चाहता हूँ जो आप कर रहे हैं। कृपया अपने आप को मुझ पर प्रकट करें और बताएं कि मैं आपको पहले से ज्यादा कैसे जान सकता हूँ। कृपया मुझे ऐसी आंखें दे जो आपको देखें, ऐसे कान दें जो आपको सुनें, ऐसे हाथ दें जो आपको थामें रहें और ऐसे पांव दें जो आपका अनुसरण करें।

आज के लिए वचन

इब्रानी 13:8 यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एकसा है।

लूका 4:18–19 प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है, कि बन्धुओं को छुटकारे का और अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूं और कुचले हुओं को छुड़ाऊं। और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं।

कलीसिया को काम करने वाली सेना बनाया गया है, फसल का खेत नहीं

कलीसिया को केवल मूक दर्षक ही नहीं बने रहना है बल्कि परिपक्व होकर सेना बनना है, दर्षक नहीं बल्कि भागीदारों का एक संगठित समूह बनना है, मछली नहीं बल्कि मछली पकड़ने वाला चारा बनना है। कहने का भाव यह है कि कलीसिया को फसल का खेत नहीं बल्कि काम करने वाली सेना होना चाहिए।

क्या आप ऐसे मसीही हैं जो कलीसिया में यह सोचकर जाते हैं कि पासबान और कलीसिया आप के लिए क्या कर सकते हैं या आप कलीसिया में यह सोचकर जाते हैं कि आप दूसरों के लिए क्या कर सकते हैं? परिपक्व हों और कलीसिया के बारे में अपनी धारणा सुधारें। अपने

edit copy

आप को दीन करें और सेवा करने और मसीह की देह को दृढ़ बनाने के लिए तैयार होने का संकल्प करें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे परमेष्वर, मुझे बचाने के लिए आपका धन्यवाद! मुझे अपनी योजनाओं में शामिल करने के लिए आपका धन्यवाद। मैं जानता हूँ कि आपकी योजना में केवल मैं ही शामिल नहीं हूँ, बल्कि आपने अपनी अन्य संताने अन्य स्थानों पर नियुक्त की हुई हैं। कृपया मुझे यह याद रखने में सहायता करें कि आपने मुझे केवल मूक दर्षक बनने के लिए नहीं बल्कि भागीदार बनने के लिए बुलाया है।

<u>आज के लिए वचन</u>

इफिसियों 4:11—15 और उस ने कितनों को प्रेरित नियुक्त करके, और कितनों को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कितनों को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएं, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए। जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं और मसीह के पूरे डील डौल तक न बढ़ जाएं। ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग—विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक बयार से उछाले, और इधर—उधर घुमाए जाते हों। बरन प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएं।

प्रत्येक संदेष ऐसा होना चाहिए जिसे श्रोता अपने साथ ले जा सकें और दूसरों के साथ बांट सकें

सामान्यतः, जब भी हम बाज़ार जाते हैं और भविष्य में उपयोग करने के लिए कुछ वस्तुएं खरीदते हैं, तो हम उन्हें किसी न किसी डिब्बे में सम्भाल कर रखते हैं, विषेषकर हैंडल वाले डिब्बे में, ताकि हमारा कीमती सामान सुरक्षित रहे और हम उसे अपने साथ उठा कर कहीं भी ले जा सकें। परमेष्वर का वचन भी ऐसा ही है। परमेष्वर के वचन को याद रखने में सरल बनाना और अपने साथ ले जाने में सरल बनाना हमारे जीवनभर के लिए बहुत लाभदायक प्रमाणित होगा।

जब हम लोगों को परमेष्वर के वचन के सिद्धांत सिखाते हैं और लोग हमें सुनते हैं, तो यह महत्त्वपूर्ण है कि हम अपने संदेष को इतना सरल बनाएं कि लोग उसे अपने साथ घर ले जा सकें। प्रत्येक संदेष ऐसा होना चाहिए जिसे श्रोता अपने साथ ले जा सकें और दूसरों के साथ बांट सकें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे पिता, आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद; कृपया मुझे इसकी गहन बातें प्रतिदिन सिखाएं। मुझे आपके वचन का केवल सुनने वाला ही नहीं बल्कि उस पर चलने वाला बनने में

edit copy

सहायता करें। और पिता मुझे ऐसे लोग दें जिन्हें मैं आपका संदेष सुना सकूँ। जब मैं दूसरों के साथ आपका वचन बांटता हूँ तो आप मुझे अपनी बुद्धि दें।

आज के लिए वचन
2 तीमुथियुस 2:2 जो बातें तू ने बहुत से गवाहों के सामने मुझ से सुनी हैं, उन्हें विष्वासयोग्य मनुष्यों को सौंप दे; जो दूसरों को भी सिखाने के योग्य हों।

याकूब 1:25 पर जो व्यक्ति स्वतंत्राता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिये आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं, पर वैसा ही काम करता है।

परमेष्वर ने अपना अतिरिक्त पुत्र नहीं बल्कि एकलौता पुत्र दिया है

पुराने नियम के समयों में, परमेष्वर के लोगों के पाप एक कीमत चुका दिए जाने के द्वारा माफ हो जाते थे। किसी पषु का लहू बहाया जाता था, और यह बलिदान बार बार चढ़ाने पड़ते थे। परमेष्वर अपने लोगों के लिए एक उत्तम मार्ग बनाना चाहता था और उन्हें सदा सदा के लिए क्षमा करना चाहता था। उसने कहा कि ऐसा बकरों और बछड़ों के लहू के द्वारा सम्भव नहीं था। इसके लिए उसके अपने पुत्र के लहू की आवष्यकता पड़ी और अब हम सदा सर्वदा के लिए सुरक्षित हैं।

परमेष्वर ने अपना अतिरिक्त पुत्र नहीं बल्कि एकलौता पुत्र दिया है। इसके लिए परमेष्वर को अपना सर्वोत्तम देना पड़ा; और कोई रास्ता नहीं था। क्योंकि परमेष्वर ने हमारे लिए अपना सर्वोत्तम दिया, तो आओ हम भी उसे अपना सर्वोत्तम दें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं यीषु को अपने लिए एकमात्र बलिदान के रूप में स्वीकार करता हूँ। मैं भरोसा रखता हूँ कि उसका लहू हमारे बीच में चिरस्थाई वाचा बांधता है। अपना सर्वोत्तम – अपना एकलौता पुत्र देने के लिए आपका धन्यवाद। मसीह में नए जीवन के लिए आपका धन्यवाद। आपने मेरे उद्धार के लिए जो कीमत चुकाई है उसके लिए मैं जीवनभर प्रतिदिन आपका आदर करता रहूँगा।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 3:16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

1 कुरिन्थियों 6:19–20 क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।।

परमेष्वर द्वारा संसार को बचाने के लिए मरियम को अपना पहलौठा देना पड़ा।

परमेष्वर जब भी कुछ करता है, वह उसमें लोगों को शामिल करता है। हमारे जीवन के लिए उसकी योजनाओं के साथ साथ हमारे पास भागीदार बनने के अवसर भी आएंगे। हम जानते

edit copy

और प्रतीति करते हैं कि हमें यीषु के द्वारा उद्धार सेंत मेंत में मिला है, क्योंकि उसकी कीमत दूसरों ने चुका दी है।

जिस दिन से प्रभु यीषु हमें महान आदेष देकर गए हैं, उस दिन से ही मिषनरियों, प्रचारकों, सुसमाचार का प्रसार करने वालों ने अपने व्यवसाय, घर का आराम और यहां तक कि अपने जीवन भी त्याग दिए, केवल इसलिए कि सुसमाचार सब जातियों में पहुंचाया जा सके। जब परमेष्वर इस्राएलियों को मिस्र में से छुड़ा लाया, उस समय मूसा का काम बहुत कठिन हो गया था। जब परमेष्वर ने यहूदियों को सामने खड़ी मौत से बचाया था, उस समय एस्तेर का काम बहुत खतरनाक था। परमेष्वर द्वारा संसार को बचाने के लिए मरियम को अपना पहलौठा देना पड़ा। इसके लिए आपको क्या कीमत चुकानी पड़ेगी कि परमेष्वर आपके जीवन में अपनी योजनाएं पूरी करता रहे? क्या आप "हाँ" कहने और यह कहने के लिए तैयार हैं कि मेरी नहीं बल्कि तेरी इच्छा पूरी हो?

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं जान गया हूँ कि आपने मेरे लिए कीमत चुका दी है और मेरा जीवन आपका है। मेरे जीवन के लिए अच्छी योजना तैयार करने के लिए आपका धन्यवाद। कृपया मेरे विचारों को आपके विचारों से मेल खाने वाला बनाएं और अपनी बड़ी योजना में मेरी भूमिका दर्षाएं। आज्ञाकारी बनने में मेरी सहायता करें। मैं जानता हूँ कि मसीह के द्वारा, जो मुझे बल देता है, मैं सबकुछ कर सकता हूँ।

आज के लिए वचन

मत्ती 16:24 तब यीशु ने अपने चेलों से कहा; यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले।

लूका 1:38 मरियम ने कहा, देख, मैं प्रभु की दासी हूं, मुझे तेरे वचन के अनुसार होः तब स्वर्गदूत उसके पास से चला गया।।

परमेष्वर की ख्याति ऐसी है जो बदल नहीं सकती

परमेष्वर एक भले परमेष्वर, प्रेमी परमेष्वर, कोमल और दयालू परमेष्वर, भरोसेमंद और सच्चे परमेष्वर के रूप में विख्यात है। तौभी परमेष्वर अपने शत्रुओं के विरूद्ध दृढ़, पाप के विषय में गंभीर और प्रत्येक युद्ध को जीतने के लिए निष्चयी भी रहा है। कहने का भाव यह है कि परमेष्वर पर भरोसा रखा जा सकता है कि वह जैसा परमेष्वर रहा है वैसा ही आने वाले समय में भी रहेगा। परमेष्वर की ख्याति ऐसी है जो बदल नहीं सकती।

मलाकी नबी ने परमेष्वर के बारे में घोषित किया, "मैं यहोवा बदलता नहीं।" हम परमेष्वर पर भरोसा रख सकते हैं कि परमेष्वर वैसा ही रहेगा जैसा हमनें उसे हमेषा से देखा है। जिसने आपसे प्रेम किया और आपके लिए अपना एकलौता पुत्र बलिदान कर दिया, वह आपको न तो कभी छोड़ेगा और न ही कभी त्यागेगा। परमेष्वर भला है।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रभु, स्वर्ग के परमेष्वर, आप महान और श्रद्धामय हैं। जो लोग आपसे प्रेम करते और आपका आज्ञापालन करते हैं, आप उनके लिए अपनी प्रतिज्ञाएं विष्वासयोग्यता के साथ पूरी करते हैं। कृपया अपनी प्रतिज्ञाएं याद रखें। आपने कहा कि हमारे पाप हमें आपसे अलग कर देंगे। परन्तु आपने यह भी कहा है कि हम चाहे कितनी ही दूर क्यों न चले जाएं, पर यदि हम अपने पापों का अंगीकार कर लें और आपका आज्ञापालन करें, तो आप हमें क्षमा कर देंगे और हमारे साथ फिर से संबंध स्थापित करेंगे।

आज के लिए वचन

गिनती 23:19 ईश्वर मनुष्य नहीं, कि झूठ बोले, और न वह आदमी है, कि अपनी इच्छा बदले। क्या जो कुछ उस ने कहा उसे न करे? क्या वह वचन देकर उस पूरा न करे?

भजन 89:34 मैं अपनी वाचा न तोडूंगा, और जो मेरे मुंह से निकल चुका है, उसे न बदलूंगा।

याकूब 1:17 क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिस में न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, ओर न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।

परमेष्वर की प्रतीक्षा करते हुए आप जो करते हैं, वह निर्धारित करेगा कि आप कितनी देर प्रतीक्षा करेंगे

दाऊद जानता था कि परमेष्वर की प्रतीक्षा करने का अर्थ क्या है। राजा बनने के लिए उसका राज्याभिषेक 16 वर्ष की आयु में किया गया था परन्तु वह 30 वर्ष की आयु में राजा बना। ऐसा प्रतीत हो सकता है कि परमेष्वर हमारी प्रार्थनाओं का जवाब नहीं दे रहा है या वह हमारी परिस्थिति की गंभीरता को नहीं समझ रहा है। ऐसी सोच कहती है कि हमारी परिस्थितियों पर परमेष्वर का नियंत्रण नहीं है। तथ्य तो यह है कि परमेष्वर प्रतीक्षा का उपयोग हमें तरोताज़ा करने, नया करने और हमारे आने वाले सर्वोत्तम दिनों के लिए तैयार करने के लिए करता है। प्रतीक्षा के समय का सदुपयोग करते हुए हम परमेष्वर के साथ अपने संबंध को और गहरा बना सकते हैं और उसकी इच्छा को पूरा करने के लिए अपनी तैयारी को और गहन कर सकते हैं।

परमेष्वर की प्रतीक्षा करते हुए आप जो करते हैं, वह निर्धारित करेगा कि आप कितनी देर प्रतीक्षा करेंगे। उत्पादक बनें। जब आपके पास समय है तो उसमें कुछ सकारात्मक करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर मैं आपकी प्रतीक्षा करूंगा क्योंकि आप इसके योग्य हैं। आप पर मेरा ध्यान केन्द्रित होते हुए आपकी ओर से मिलने वाली शांति के लिए आपका धन्यवाद। मेरे प्राण की चाहत आपकी इच्छा में है। आप मेरी चट्टान और मेरा दृढ़ गढ़ हैं, मेरी अपेक्षाएं आप पर लगी हैं। जब तक आप सब बातों में अपना सिद्ध उद्देष्य न प्रकट कर दें तब तक मैं धीरज और धार्मिकता सीखता रहूंगा।

आज के लिए वचन

edit copy

भजन 40:1—3 मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा; और उस ने मेरी ओर झुककर मेरी दोहाई सुनी। उस ने मुझे सत्यानाश के गड़हे और दलदल की कीच में से उबारा, और मुझ को चट्टान पर खड़ा करके मेरे पैरों को दृढ़ किया है। और उस ने मुझे एक नया गीत सिखाया जो हमारे परमेश्वर की स्तुति का है। बहुतेरे यह देखकर डरेंगे, और यहोवा पर भरोसा रखेंगे।।

कभी कभी प्रतिज्ञा किया हुआ देष वैसा नहीं मिलता जैसा प्रतिज्ञा किया गया था

मूसा ने इस्राएल की प्रजा को कहा था कि परमेष्वर उन्हें मिस्र की गुलामी से आज़ाद करके ऐसे देष में ले जा रहा है जहां दूध और मधु की धराएं बहती हैं। उन्हें बताया गया था कि प्रतिज्ञा किए हुए इस कनान देष में उन्हें रोटी की कोई कमी नहीं होगी, वे ऐसे कुओं से पानी पीएंगे जो उन्होंने नहीं खोदे, उन्हें किसी भली वस्तु की घटी नहीं होगी और उन्हें अपने सब शत्रुओं से विश्राम मिलेगा। तथापि, प्रतिज्ञा किए हुए देष में प्रवेष करने के बाद उन्होंने पाया कि यह देष वैसा नहीं था जैसा प्रतिज्ञा किया गया था।

कनान देष बिल्कुल वैसा ही था जैसा मूसा ने बताया था, परन्तु उस समय यह शत्रुओं से भरा हुआ था जिन्हें युद्ध करके हराया जाना था। जब उन्होंने परमेष्वर का साथ दिया, तो परमेष्वर ने भी अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। तथापि, यह उसने उनकी सहायता के बिना नहीं किया। परमेष्वर ने आपसे जो प्रतिज्ञा की है, यदि वह पूरी नहीं हुई है तो उसके साथ कार्य करते रहें और वह अपनी प्रतिज्ञा पूरी करेगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं अपने जीवन की योजनाएं आपको समर्पित करता हूँ और आपके स्वप्नों को पूरा करने के लिए आपके साथ कार्य करने का वायदा करता हूँ। हे प्रभु, मुझे दिखाएं कि जब मैं अपने जीवन के लिए आपकी प्रतिज्ञा में आगे बढ़ता हूँ तो दृढ़ और मजबूत कैसे बना रहूं। धन्यवाद प्रभु। आमीन।

आज के लिए वचन

मत्ती 11:12 यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग के राज्य पर जोर होता रहा है, और बलवान उसे छीन लेते हैं।

रोमियों 4:21 और निश्चय जाना, कि जिस बात की उस ने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने को भी सामर्थी है।

जो हमारे पास है उसके साथ हम जो करते हैं, निर्धारित करेगा कि हमें और क्या मिलेगा

मसीह का मुहरों (तोड़ों) का दृष्टांत हमें जागृत करता है कि हमारी आषीषें और क्षमताएं परमेष्वर से मिले हुए वरदान हैं और हमें इसलिए दिए जाते हैं कि हम इनका उपयोग सेवा करने के लिए करें। इसे भण्डारीपन कहा जाता है और इसका तात्पर्य केवल धन से नहीं बल्कि हमारे हुनर, समय और अन्य संसाधनों से भी होता है। भण्डारीपन का अर्थ है कि हम

edit copy

परमेष्वर की ओर से मिले हुए वरदानों की देखभाल करते हैं। परमेष्वर आपको ऐसा कुछ नहीं देगा जो वह आपके द्वारा आगे किसी को न दे सके।

मुहरों का दृष्टांत, अच्छे भण्डारी का दृष्टांत और दूसरों की वस्तुओं के विषय में विष्वासयोग्य बने रहने का दृष्टांत, सब एक ही बात की ओर इषारा करते हैं कि परमेष्वर चाहता है कि हम विष्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी बनें और अपनी आषीषों को उपयोग करके दूसरों के लिए आषीष बनें। आपके पास ऐसा क्या है जिसका उपयोग करके परमेष्वर इस पृथ्वी पर अपने राज्य का प्रसार कर सकता है। जो आपके पास है उसके साथ आप जो करते हैं, निर्धारित करेगा कि आपको और क्या मिलेगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय प्रभु, मुझे ऐसे संसाधन देने के लिए आपका धन्यवाद जो मेरे लिए आषीष हैं और मुझे दूसरों के लिए आषीष बनने में सक्षम बनाते हैं। जब मैं विष्वासयोग्य रहता हूँ तो मुझे बढ़ाएं ताकि मैं आपके लिए और अधिक कर सकूं।

आज के लिए वचन
लूका 19:17 उस ने उस से कहा; धन्य हे उत्तम दास। तू बहुत ही थोड़े में विश्वासयोग्य निकला अब दस नगरों पर अधिकार रख।

लूका 16:10 जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी सच्चा हैः और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है, वह बहुत में भी अधर्मी है।

परमेष्वर अगुवे नहीं बनाता, केवल सेवक बनाता है... सेवक अगुवे बनते हैं

कल्पना करें कि आप सारी ज़िंदगी ऐसी सीढ़ी पर चढ़ने में लगा दें जिसके ऊपरी सिरे पर जाकर आपको पता चले कि यह तो गलत इमारत पर लगी हुई थी। हमें बताया गया है कि कुछ लोग जीवन का प्रथम आधा भाग सफलता ढूँढने में व्यतीत करते हैं और दूसरा आधा भाग महत्त्वता का पीछा करने में। अधिकतर लोग किसी न किसी की नज़रों में महान बनना चाहते हैं... आप किसकी नज़रों में महान बनेंगे? जबकि सारा संसार अगुवों की तलाष कर रहा है, वहीं परमेष्वर सेवकों की तलाष में है।

यदि आप परमेष्वर के राज्य में महान बनना चाहते हैं, तो अवष्य है कि आप सबके सेवक बनें। जो कोई तुम में बड़ा होना चाहे, वह सबका दास बने। यीषु सेवा करवाने नहीं, बल्कि सेवा करने आया। आप इसके विपरीत नहीं कर सकते।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, यीषु को हमारे सिद्ध आदर्ष के रूप में देने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे उन सब लोगों का सेवक बनने में सहायता करें जिन्हें मैं प्रेम करता हूँ और जिन्हें आपने मुझे प्रेम करने का अवसर दिया है। मैं लोगों की सेवा करने के द्वारा उनकी अगुवाई करना चाहता हूँ।

आज के लिए वचन

edit copy

मरकुस 10:45 क्योंकि मनुष्य का पुत्र इसलिये नहीं आया, कि उस की सेवा टहल की जाए, पर इसलिये आया, कि आप सेवा टहल करे, और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण दे।।

फिलिप्पियों 2:5 जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो।

मरकुस 10:44 और जो कोई तुम में प्रधान होना चाहे, वह सब का दास बने।

गैरज़िम्मेदार ईमानदारी से दूसरों को नुकसान होता है, चाहे यह सच ही क्यों न हो

क्या आपका वज़न बढ़ रहा है? शायद कपड़ों के कारण ऐसा लगता है। आप मोटे दिख रहे हैं। क्या करें... यह सच है।

जब भी हम किसी विचार को गैरज़िम्मेदार भाव से व्यक्त करते हैं तो इसके अवसर बढ़ जाते हैं कि हमारे मुंह से ऐसे शब्द निकलें जिनसे किसी को नुकसान हो सकता है, किसी को ठोकर लग सकती है या वे शब्द नीच बातें हो सकती हैं। अक्सर, जो लोग आवष्यकता से अधिक बोलते हैं, वे दूसरों को नुकसान पहुंचाते हैं और अपने बचाव में कहते हैं, "क्या करें, यह सच है।" केवल इसलिए कि कोई बात सच है, आपको यह हक़ नहीं मिल जाता कि आप इसके कारण दूसरों पर पड़ने वाले प्रभाव को सोचे बिना इसे बोल डालें। बाइबल हमें अपने शब्दों के द्वारा दूसरों को नुकसान पहुचाने या कटु वचन बोलने से मना करती है क्योंकि इससे परमेष्वर के राज्य को कोई लाभ नहीं पहुंचता।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं अपने विचारों और अपने मुंह के शब्दों को आपकी निगरानी में सौंपता हूँ। मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरे मुंह पर अपना पहरा ठहराएं ताकि मैं अपने श्रोताओं को अपने शब्दों से नुकसान न पहुंचाऊँ बल्कि अपनी बातों से उन्हें आषीष दूँ। धन्यवाद पिता।

आज के लिए वचन

याकूब 3:2 इसलिये कि हम सब बहुत बार चूक जाते हैंः जो कोई वचन में नहीं चूकता, वही तो सिद्ध मनुष्य है; और सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है।

इफिसियों 4:29 कोई गन्दी बात तुम्हारे मुंह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उस से सुननेवालों पर अनुग्रह हो।

भजन 141:3 हे यहोवा, मेरे मुख पर पहरा बैठा, मेरे हाठों के द्वार की रखवाली कर!

हम में से कोई भी सबकुछ नहीं कर सकता, परन्तु हम में से प्रत्येक कुछ न कुछ अवष्य कर सकता है

परमेष्वर ने कलीसिया को एक विषाल ज़िम्मेदारी दी है – सब जातियों के लोगों को षिष्य बनाना। इसमें प्रचार, चंगाई, षिक्षा, दान, प्रबंधन, निर्माण और बहुत सारे अन्य काम शामिल हैं। यदि ये सारे काम हमें अकेले करने पड़ें, तो हम बिना कोषिष किए ही पीछे हट जाएंगे। यह

असम्भव है। परन्तु परमेष्वर ने हमें अपनी देह में भिन्न भिन्न अंग ठहराया है, ताकि हम में से कुछ लोग एक काम करें और कुछ लोग दूसरे काम।

हम सबकुछ नहीं कर सकते, परन्तु हम में से प्रत्येक कुछ न कुछ अवष्य कर सकता है। मसीह की देह में सफलता की कुंजी एकता है, सब लोग कुछ न कुछ करें और एक लय में करें। हम अकेले की बजाय मिलकर प्रभु की सेवा बेहतर ढंग से कर सकते हैं। यह एक आम मानव प्रवृत्ति है कि हम अकेले बहुत ज्यादा काम कर पाएंगे, परन्तु एकसाथ मिलकर बहुत कम काम कर पाएंगे। मसीह की देह के रूप में मिलकर काम करने से हम बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं, जबकि अकेले काम करके अपने सपनों की तुलना में कुछ भी नहीं कर पाएंगे। काम पूरा करने के लिए अपना जीवन और बल दूसरों के साथ जोड़ लें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मुझे याद दिलाते रहें कि इस इस पृथ्वी पर मैं मसीह की देह का एक अंग हूँ। मुझे अपने आसपास के लोगों के साथ सार्थक रूप में जुड़ने में सहायता करें। मेरे जीवन में लोग लाने के लिए आपका धन्यवाद। जिन लोगों की मैं सेवा कर रहा हूँ, उनके लिए आषीष बननें में मेरी सहायता करें। आपका धन्यवाद। आमीन।

आज के लिए वचन

रोमियों 12:5 वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

सभोपदेषक 4:9 एक से दो अच्छे हैं, क्योंकि उनके परिश्रम का अच्छा फल मिलता है।

इफिसियों 4:16 जिस से सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक भाग के परिमाण से उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है, कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए।।

edit copy